मध्यकालीन भारत

भाग–2
(1540-1761)

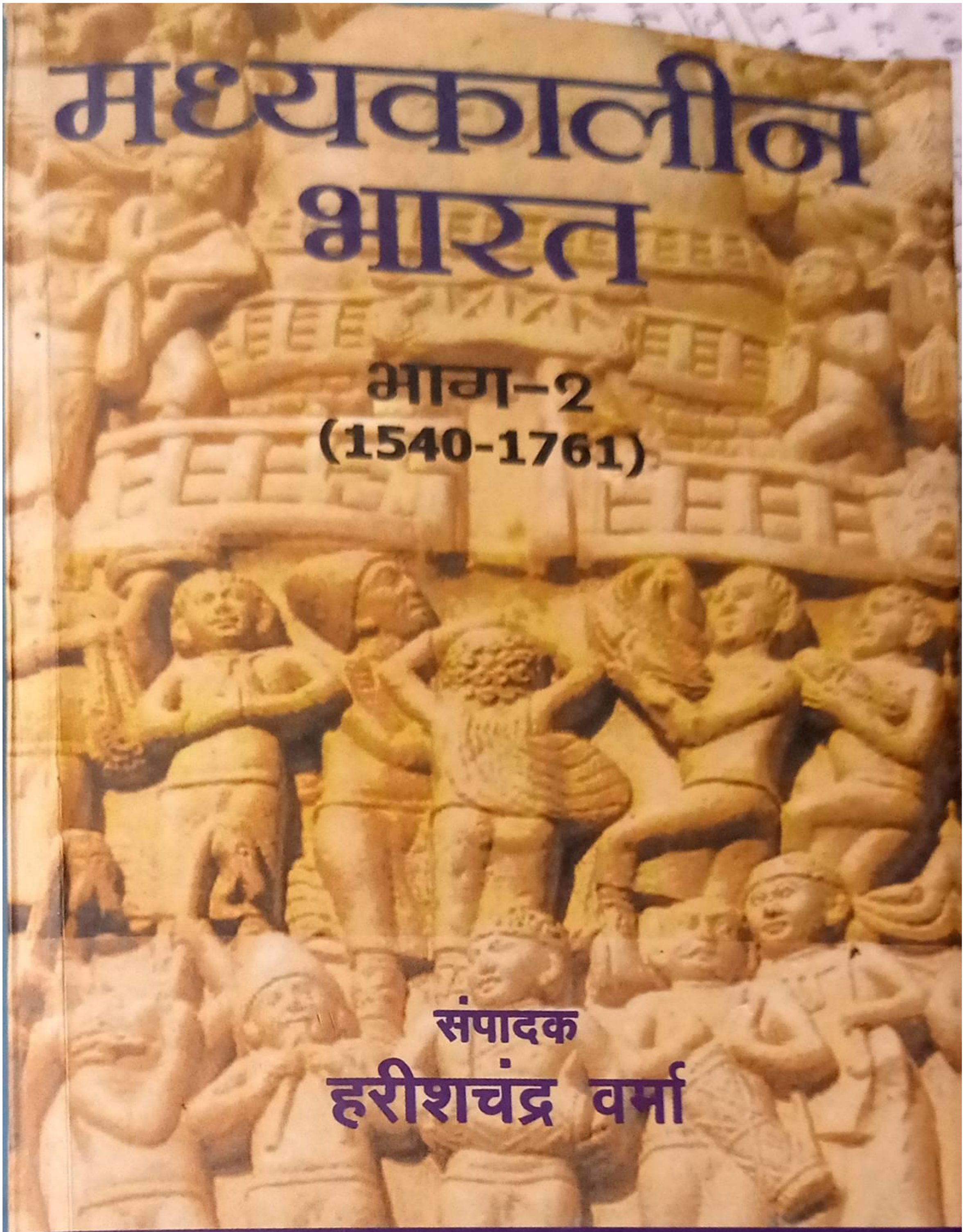

संपादक
हरीशचंद्र वर्मा

हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

Scanned by TapScanner

विषयानुक्रम

अध्याय		लेखक	पृष्ठ
1.	सोलहवी शती के पूर्वार्ध में भारत की स्थिति	एस॰ के॰ श्रीवास्तव हंसराज कॉलेज	1
2.	द्वितीय अफ़गान साम्राज्य	एस॰ के श्रीवास्तव	7
	क. शेरशाह		7
	शेरशाह का उदय 9, शेरशाह की समस्याएँ 13, शेरशाह की मालवा नीति 13.		
	ख. शेरशाह के उत्तराधिकारी		18
	ग. सूर प्रशासन और भू-राजस्व व्यवस्था		22
	भू-राजस्व व्यवस्था 29		
3.	मुगल राज्य और शासक वर्ग		34
	क. तुर्क-मंगोल राजसत्ता का सिद्धांत और केंद्रीकृत राजय-संरचना का उद्‌भव	निर्मल कुमार श्री वेंकटेश्वर कॉलेज	34
	ख. राज्य का स्वरूप : निरंतरता एवं परिवर्तन	बी॰ एस॰ चयानी इतिहास विभाग, अनुसंधाता	37
	इस्लाम में राज्य गठन 37, पादशाहत (राजत्व): सिद्धांत और व्यवहार में 40, केंद्रीकृत राज्य का ढाँचा 45, पैतृक अफसरशाही साम्राज्य 45, खंडीय या		

Scanned by TapScanner

विभाजित राज्य का मॉडल 46, अफसरशाही बनाम सामंती प्रशासन 48, सैनिक साम्राज्य की प्राक्कल्पना 49, राज्य और उसकी अर्थव्यवस्था 50, कल्याणकारी राज्य 52, धर्म और राज्य 52, गैर-कट्टरपंथी राज्य: राष्ट्रीय राजत्व की संकल्पना 53, सांस्कृतिक राज्य 54, परिवर्तन के कारण 55, राजत्व का स्वरूप 56, धार्मिक नीतियाँ 57, राज्य का केंद्रीकृत ढाँचा 60, राज्य और प्रशासन 62, राज्य और संस्कृति 64

ग. मुग़लकालीन अमीर वर्ग 'उमरा' — बी॰ एस॰ चयानी — 67

उद्गम और संरचना 67, अमीर वर्ग का संगठन 70, नियंत्रण और संतुलन 71, प्रशासन में अमीर वर्ग की भूमिका 73, सामाजिक और आर्थिक जीवन में अमीरों की भूमिका 74, अमीर वर्ग और राजनीति 75, अमीर वर्ग के स्वरूप का मूल्यांकन 81, सारांश 83

घ. जमींदार वर्ग — बी॰ एस॰ चयानी — 84

जमींदारी प्रथा का उद्भव 85, संरचना 86, प्रशासनिक कार्य-कलाप 87, प्रशासनिक नियंत्रण 88, जमींदारों की विशेषताएँ 91, जमींदारों के अधिकारों की प्रकृति 93, सैनिक शक्ति 9?, जमींदार और कृषक वर्ग 94, शासक वर्ग के रूप में जमींदार 96, अठारहवीं शताब्दी की स्थिति 97

ङ जागीरदार वर्ग — बी॰ एस॰ चयानी — 101

कर्तव्य 102, प्रशासनिक तंत्र और नियंत्रण, शक्तियाँ और विशेषाधिकार 104, विकास और ह्रास 105, ताकत और कमजोरियाँ 107, जागीरदारों की भूमिका 110

Scanned by TapScanner

ब. मनसबदारी व्यवस्था — के.के. त्रिवेदी, इतिहास विभाग, ज. ने. वि. — 112

छ. राज्य द्वारा संपत्ति की जब्ती का नियम — निर्मल कुमार — 121

4. मुग़लकाल की धार्मिक-सामाजिक गतिविधियाँ — 125

अ. मुग़ल शासकों का धार्मिक दृष्टिकोण

क. अकबर 125, धार्मिक नीति का स्वरूप तथा उद्देश्य 125, प्रथम चरण (1562-1574) 126, द्वितीय चरण (1575-1579) 127, अंतिम चरण (1579-1605) 130, इलाही संवत् तथा अकबर की मुद्राएँ 135, — शिवशंकर मेनन, सेंट स्टीफेन्स कालेज

ख. जहाँगीर 136,
ग. शाहजहाँ 141, उत्तराधिकार की लड़ाई और धार्मिक मामले 142
घ. औरंगज़ेब 145, — हरिश्चन्द्र वर्मा, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

ब. धार्मिक-सामाजिक आंदोलन

क. मुग़लकाल में सूफ़ी आंदोलन 153, गैर रूढ़िवादी सूफ़ी 154, नक्शबंदी सिलसिला 155, तरीक़ा-ए-मुहम्मदिया 157, चिश्ती सिलसिला 158, शत्तारी सिलसिला 159, क़ादिरी सिलसिला 160, सूफ़ीवाद और क्षेत्रीय साहित्य 162, भारतीय सूफ़ीवाद का पतन 163 — शिवशंकर मेनन

ख. उत्तर मध्यकालीन भारत में परंपरा विरोधी धर्म-संस्कृति और राज्य 163 — रामेश्वर प्रसाद बहुगुणा, मोतीलाल नेहरू कालेज

5. मुग़लकाल की राजनीतिक गतिविधियाँ — 171

क. जहाँगीर और नूरजहाँ — एस॰ के॰ श्रीवास्तव — 171

Scanned by TapScanner

ख. मुग़ल शासकों की उत्तर-पश्चिमी सीमा तथा मध्य-एशिया संबंधी नीति — एस॰ के॰ श्रीवास्तव — 180

ग. मुग़लों के फ़ारस से संबंध — एस॰ के॰ श्रीवास्तव — 192
जहाँगीर 197, शाहजहाँ 199, औरंगज़ेब 202

घ. दकन के राज्य — ऋतु कुमार चहल, मैलेयी कॉलेज — 204
अहमदनगर 206, बीजापुर 212, गोलकुंडा 214

ङ मुग़ल तथा राजपूत — हरिश्चन्द्र वर्मा — 217
राजपूत नीति के तत्व: अकबर 218, जहाँगीर 230, शाहजहाँ 230, औरंगज़ेब 231

6. मराठा — 237

क. मराठों का उत्थान — निर्मल कुमार — 237
मुग़लों और दक्षिणी राज्यों के साथ संबंध 240, शिवाजी का प्रशासन 243, सेना 245, राजस्व प्रशासन 245

ख. पेशवाओं के काल में मराठा शक्ति का उत्कर्ष — मधु त्रिवेदी, पत्राचार विद्यालय — 247
पेशवा बालाजी विश्वनाथ 247, मुग़लों के प्रति नीति में परिवर्तन 248, मसठा राज्य की आंतरिक सुव्यवस्था व शांति स्थापना 249, मुग़लों के साथ बालाजी विश्वनाथ के संबंध 250, पेशवा बाजीराव प्रथम (1720-1740) 252, निज़ाम-उल मुल्क के साथ संबंध 252, कोल्हापुर राज्य की स्थापना 254, मालवा तथा बुंदेलखंड में मराठा अभियान 255, गुजरात में मराठा गतिविधियाँ 255, सिद्दियों से संबंध 257, मराठों का मालवा व बुंदेलखंड में प्रसार 258, वसीन की विजय 261, नादिरशाह का आक्रमण 262, पेशवा बालाजी बाजीराव के अंतर्गत मराठों का

Scanned by TapScanner

विस्तार 263, मालवा, बुंदेलखंड तथा बंगाल 264, पेशवा माधवराव प्रथम 268

ग. मराठा राज्यतंत्र और समाज — मधु त्रिवेदी 273

मोकासा, जागीर और सरन्जाम 286

7. मुग़लकालीन शासन व्यवस्था — यकेश कुमार 289
रामलाल आनंद कॉलेज

प्रशासनिक ढाँचा/संरचना 290, केंद्रीय प्रशास़निक ढाँचा 290, वकील 291, दीवान/वजीर 293, मीर बक्शी 295, मीर सामान 297, प्रांतीय प्रशासन 298, स्थानीय प्रशासन 302, सरकार 302, परगना 305, गाँव: प्रशासन की एक इकाई 306, ग्राम- अधिकारी 306

8. मुग़लकालीन तकनीकी विकास एवं उद्योग — 308

क. मध्ययुगीन भारत में धातु कर्म — सैयद जफर महमूद 308

लोहा और इस्पात 308, धातु गलाने की भट्ठी 308, धातु पिघलाने और शुद्ध करने की प्रक्रिया 310, पिटवाँ लोहा 313, ताँबा 313, ढलाई 314, जस्ता 316, बकयंत्र 318, सोने-चाँदी का धातुकर्म 319, भारत में चाँदी की कच्ची धातु के प्राप्ति स्थल 319, सोना 320, चाँदी और सोना निकालने निकालने की विधियाँ 320, स्वर्ण उत्पादन की विधि 321

ख. मुग़ल-भारत में इमारत, शिल्प विज्ञान, सड़क और संचार — अर्चना ओझा 322
कमला नेहरू कालेज

निर्माण सामग्री 323, अफसर और भवन-निर्माण विशेषज्ञ 327, मजदूर और दस्तकार 328, सड़क और संचार 328, पुल 330

Scanned by TapScanner

ग. मुग़लकालीन भारत में जहाज-निर्माण (1500-1650 ई०) — प्रकाश कमार, रामजस कॉलेज — 332

घ. मुग़ल कारखाना — तृप्ता वर्मा, माता सुंदरी कॉलेज — 341

ङ मुग़लकालीन भारत में रंगसाजी की कला — राकेश कुमार — 354
रंगाई 355, कपड़ों पर छपाई की कारीगरी 360

च. मुग़लकालीन उत्तर भारत में उद्योग (1550-1650) — प्रकाश कुमार — 363

9. मुग़ल भारत में आर्थिक गतिविधियाँ

क. भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप — पूजा विज, दयालसिंह कॉलेज — 371

ख. राजकोषीय संसाधन तथा भू-राजस्व प्रणाली — टी. के. वेंकेट सुब्रमणियम, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय — 383
राजकाषाय ससाधन 383, भू-राजस्व प्रणाली 387, नौकरशाही अभिकरण 391, आकलन की पद्धतियाँ 395

ग. कृषक: कृषक समुदाय के विभिन्न स्तर — सैयद असलम अली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय — 398
कृषकों का वर्गीकरण 406

घ. ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में जमींदारों की भूमिका — सुनीता पुरी, प्रधानाचार्य, लक्ष्मीबाई कालेज — 408

ङ. ग्राम समुदाय की अवधारणा — सुनीता पुरी — 417
ग्राम समुदाय के वर्ग 420, ग्राम संरचना 420

च. कृषि एवं जागीरदारी संकट संबंधी अवधारणाओं की वैधता — हरिश्चन्द्र वर्मा — 428

छ. वाणिज्य एवं व्यापारी वर्ग — सरबानी कुमार, पी० जी० डी० ए० वी० कालेज — 440

Scanned by TapScanner

ङ. मुग़लकालीन मुद्रा-प्रणाली — राकेश कुमार — 448

मुद्रा 449, बैंकिंग प्रणाली 450, सूरक्षोरी 454, कृषिप्रधान सूरक्षोरी 454, वाणिज्यगत सूरक्षोरी 455

च. आंतरिक व बाह्य व्यापार एवं वाणिज्य — जी॰ डी॰ गुलाटी, सत्यवती कॉलेज — 457

यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों का आगमन 466

10. मुग़ल समाज तथा संस्कृति — 47

क. मुग़ल भारत का शहरीकरण — टी॰ के॰ वेंकेट सुब्रमणियम — 47

ख. मुग़लकालीन भारत में जीवन-स्तर — सरवानी कुमार — 48

किसान वर्ग 481, शहरी गरीब 484, मध्यम स्तर के लोग 485, उच्च वर्ग 487

ग. मुग़लकाल में वास्तुकला का विकास — मीरा खरे, पी.जी.डी.ए.वी. कालेज — 4

मुग़लकालीन वास्तुकला की विशेषताएँ 489. बाबर 492. हुमायूँ और शेरशाह 493, अकबर: प्रयोगों का युग 495. प्रमुख भवन 496. जहांगीर: संगमरमर के प्रयोग की ओर 503. शाहजहाँ: संगमरमर के प्रयोग की चरम अवस्था 504. प्रमुख भवन 506. अंतिम चरण और पतन 509

घ. मुग़ल चित्रकला का उद्भव और विकास — अशोक कुमार दास, संग्रहालय, जयपुर — 51

हम्ज़ानामा और आरंभिक अकबरी शैली 511, धार्मिक, साहित्यिक और जीवनीपरक कृतियाँ 513, अकबरी चित्रशाला: अंतिम वर्षों में 515, सलीमकालीन चित्रकला 516, जहाँगीरकालीन मुग़ल चित्रकला 517, प्रतिमापरक चित्रकारी 518, जहाँगीर के चित्रकार 518, यूरोपीय कला का प्रभाव 521, जहाँगीर के बाद की मुग़ल चित्रकला 522, दकनी चित्रकला 525, लोक प्रचलित मगल चित्रकला 527

Scanned by TapScanner

ङ. राजस्थानी चित्रकला का उद्भव और विकास — अशोक कुमार दास 527

पृष्ठभूमि और सामान्य विशेषताएँ 527, राजस्थानी चित्रकला: 1100 ईस्वी से 1500 ई० तक 529, लौर चंदा चौर पंचासिका शैली और मुग़लपूर्व और आरंभिक मुग़लकाल की राजस्थानी चित्रकला 530, मुग़लचित्रकला का प्रभाव 531, मेवाड़ शैली (कलम) 532, बूँदी शैली (कलम) 534, कोटा शैली 536, आमेर-जयपुर शैली 537, जोधपुर शैली 539, बीकानेरी शैली 540, किशनगढ़ शैली 541

च. पहाड़ी लघु चित्रकारी — मीरा खरे 542

विभिन्न शैलियाँ (कलमें) 543, चित्र विश्लेषण 550,

छ. दक्षिणी राज्यों की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ — ऋतुकुमार चहल 553

चित्रकला 554, बीजापुर 555, गोलकुंडा 556

ज. मुग़लकाल में भारतीय संगीत — बी० के० अग्रवाल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय 557

झ. गंगा-जमनी संस्कृति और मिला-जुला शासक वर्ग — शिवशंकर मेनन 564

भाषा और साहित्य 564, भारतीय संगीत का विकास 567, वास्तुकला 569, चित्रकला 571, धर्म 573, मिले-जुले शासक वर्ग का उदय और विकास 576

ञ. राजपूती राजतंत्र, अर्थव्यवस्था तथा समाज व्यवस्था (1540-1761) — अंजली चटर्जी, कमला नेहरू कालेज 577

राजतंत्र 580, आर्थिक जीवन 589, भूमि अधिकार 589, भूमिकर निर्धारण पद्धति 590, अधिकारी वर्ग 594, व्यापार तथा वाणिज्य 596, समाज 598

Scanned by TapScanner

मुग़लकालीन इतिहास लेखन

क. इतिहास लेखन के स्रोत के रूप में हिंदी साहित्य — कृष्णदत्त पालीवाल — 600

हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

साहित्य और सामाजिक भूमिका 600, हिंदू-मुस्लिम संस्कृतियों का मेल-मिलाप 600, नारी के प्रति दृष्टिकोण 603, कलाकार और कविता 607, मुग़ल तथा हिंदू दरबारों का वैभव 609, ऐश्वर्य विलास, श्रृंगारिकता तथा भक्ति का बहाना 610 उपवन तथा क्रीड़ा सरोवर 610, सामंतों की दिनचर्या 611, जनजीवन की स्थिति का संकेत 612, नैतिक मूल्यों का क्षरण 612, ऐतिहासिक प्रशस्तिपरक काव्यों में रुचि 613, नीति काव्य का सामाजिक पक्ष 613

ख. मुग़लकाल में फ़ारसी इतिहास लेखन — फिरदौस अनवर — 615

किरोड़ीमल कालेज

ग. सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी के यूरोपीय यात्री — मधु त्रिवेदी — 642

फादर एन्थोनी मोंसेरात 642, राल्फ़ फ़िच 644, विलियम हाकिंस 645, विलियम फिंच 646, जोन जुरदाँ 647, निकोलस डाउंटन 647, निकोलस विथिंगटन 648, थामस कोर्यत 648, सरथामस रो 648, एडवर्ड टैरी 650, पियेत्रा देला वाले 655, फ़्रांसिस्को पेलसार्ट 656, जीन बैप्टिस्ट तेवर्नियर 657, फ्रांसिस बर्नियर 661

12. मुग़ल राज्य का पतन — 666

क. जाट, बुंदेला, सतनामी और सिक्ख विद्रोह — अशोक कुमार पोद्दार तथा पूजा विज, दयाल सिंह कालेज — 666

Scanned by TapScanner

जाट विद्रोह 668, बुंदेलों का विद्रोह 670,
सतनामी विद्रोह 674, सिक्खों का विद्रोह 675

ख. विभिन्न विचारधाराएँ, औरंगजेब की भूमिका — फिरदौस अनवर — 682

शासक वर्ग की ऐयाशी 683, औरंगजेब की धार्मिक नीति 684, जागीरदारी संकट 691

ग. मुगल साम्राज्य का पतन और नई हुकूमतों का उदय — रफ़ाकत अली खान, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय — 703

13. यूरोपीय शक्तियों का विस्तार — 709

क. हिंद महासागर पर पुर्तगालियों के अधिकार की स्थापना और इसके परिणाम — बी॰ एस॰ चयानी — 709

पुर्तगालियों के आगमन की पृष्ठभूमि 709, उद्देश्य 712, नियंत्रण की विधि एवं प्रक्रिया 713, पुर्तगाली प्रभुत्व का पतन 718, परिणाम 720

ख. भारत में डच कंपनी — अरविन्द सिन्हा, राजधानी कालेज — 727

डच शक्ति का उदय 727, डच व्यापारिक संगठन 727, व्यापार 729

ग. यूरोपीय शक्तियों का उदय (बंगाल) — संजय वर्मा, किरोड़ी मल कालेज — 732

घ. बंगाल एवं ईस्ट इंडिया कंपनी (1756–65) — डी॰ एन॰ गुप्ता, हिन्दू कालेज — 745

साम्राज्यवादी इतिहास लेखन 745, बंगाल की अंदरूनी स्थिति 750, नवाब सिराजुद्दौला: एक मूल्यांकन 750, कंपनी के दीर्घकालीन हित 751, बंगाल में अँग्रेज़ों के आर्थिक हित 753, बंगाल की राजनीति व ईस्ट इंडिया कंपनी 756, आंतरिक शक्तियों का बदलता हुआ स्वरूप 757, प्लासी

Scanned by TapScanner

का युद्ध 758, प्लासी युद्ध का महत्व 761, मीर जाफ़र 763, मीर कासिम 765, क्लाइव का द्वितीय बार गवर्नर होना तथा दीवानी प्रशासन 767, द्वैध शासन प्रणाली 768

ङ यूरोपीय शक्तियों का उदय (कर्नाटक) संजय कुमार 772
पी॰ जी॰ डी॰ ए॰ वी॰ कालेज (सांयकाल)
कर्नाटक में यूरोपीय समुदायों का विकास 773, आंग्ल-फ्रांसीसी प्रतिस्पर्धा 775, प्रथम कर्नाटक युद्ध 776, द्वितीय कर्नाटक युद्ध 778, तृतीय कर्नाटक युद्ध 782

14. अठारहवीं शताब्दी में समाज और अर्थव्यवस्था 786

क. पंजाब में सामाजिक प्रतिरोध आंदोलन सुरजीत जौली 786
प्रधानाचार्य
बंदा बहादुर 786, सिक्ख मिसल का उदय 795, सिक्ख मिसलों में प्रशासनिक व्यवस्था व संगठन 796 श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज

ख. समाज एवं अर्थव्यवस्था अरविंद सिन्हा 797
आर्थिक दशा 798, कृषि 798, बैंक व्यवस्था 802, वितरण व्यवस्था 804, उत्पादन व्यवस्था 804, सामाजिक स्थिति 812

ग. अठारहवीं शताब्दी के उर्दू साहित्य में प्रतिबिंबित सामाजिक दशा इशरत हक 822
गार्गी कालेज
नागर जीवन 827, धार्मिक, सामाजिक, एवं सांस्कृतिक जीवन 829

शब्दार्थ तथा परिभाषाएँ 832

संदर्भ-सूची 840

अनुक्रमणिका 857

Scanned by TapScanner